ISSN : 2320-7604
RNI NO. : DELHIN/2006/27588
Listed in UGC Care journal
October, 21, Part 1, Serial.No. 143

त्रैमासिक

बहुरि नहिं आवना

अंक-21
अक्टूबर 2022 - दिसम्बर, 2022
मूल्य : 20 रुपए

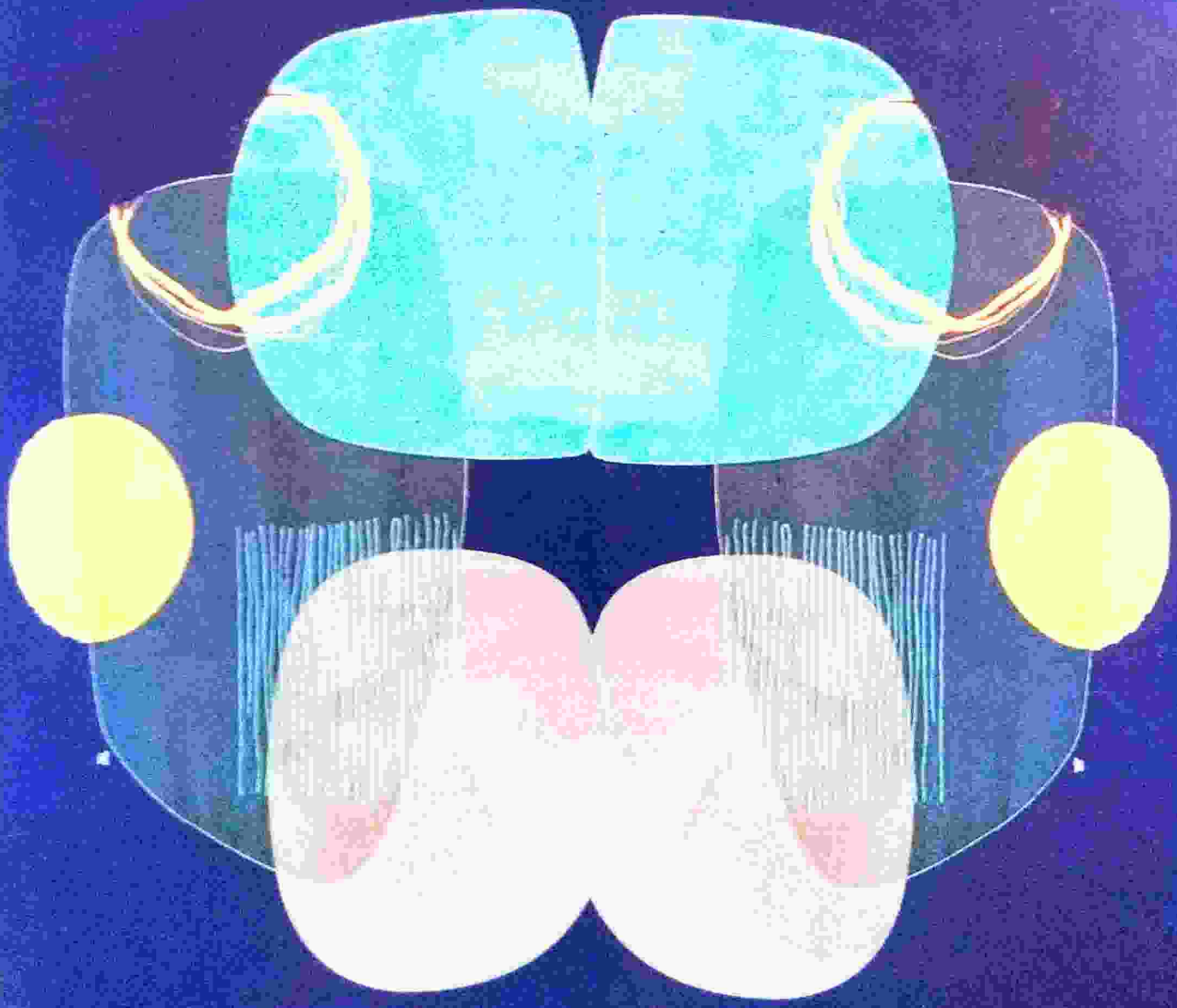

आजीवक महासंघ ट्रस्ट द्वारा निर्गत

संस्कृति, धर्म, दर्शन और साहित्य

अनुक्रम

संपादकीय : जात-पाँत तोड़क मंडल के सौ साल	*–डा. सुरेश कुमार*	4
मोहन दास : भूमंडलीकृत भारत का यथार्थ और वंचित वर्ग	*–डा. संतोष कुमार यादव*	7
नाटकीय अंतर्वस्तु एवं स्त्री स्वत्व की अवस्थिति : महिला निर्देशित नाट्य प्रस्तुतियों के संदर्भ में	*–डॉ अपर्णा वेणु*	13
हिंदी कथा साहित्य : मुस्लिम परिवेश	*–डा. पठान रहीम खान*	19
द डार्केस्ट डेस्टिनी : एक शिल्पगत प्रयोग	*–डा. रजनी दिसोदिया*	23
आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी की रचनाओं में प्राचीन साहित्य और आधुनिक चेतना का सामंजस्य	*–डा. संजीव कुमार पाण्डे*	26
सुमित्रानन्दन पन्त के कथा साहित्य में मानवेतर या दिव्य जीवन मूल्य और सौन्दर्य चेतना का विश्लेषणात्मक अध्ययन	*–अशोक कुमार यादव*	31
रमेशचन्द्र शाह के उपन्यास 'कथा सनातन' में राजनीति, धर्म और ऐतिहासिकता का विश्लेषणात्मक अध्ययन	*–डा. कृपाशंकर*	34
गोस्वामी तुलसीदास जी के जीवन वृत्त का विवेचनात्मक अध्ययन	*–विजय कुमार पाल*	38
✓नई कहानी का बदलता स्वरूप	*–डा. राम किशोर यादव*	42
भारतीय योग-दर्शन और कबीर का सहजयोग	*–डा. पोर्शिया सरकार*	47
सांस्कृतिक भारत : श्री अरविन्दो के दृष्टिकोण में	*–प्रभाकर पाण्डेय –डा. अंजू बाली पाण्डेय*	51
राजेन्द्र यादव की कहानियों में स्त्री-दलित जीवन की पीड़ा और सामाजिक चेतना	*–अजय कुमार*	57
आजादी का उत्सव और नयी कविता का जनतंत्र	*–मिथलेश कुमार*	61
डा. अम्बेडकर की स्वराज और राष्ट्र की अवधारणा : 'मूकनायक' के संदर्भ में	*–ब्रजेश कुमार* *–प्रो. राजेश गर्ग*	65
मीरा के काव्य में व्यक्त संवेदना एवं साधना पद्धति	*–ब्रजेश उपाध्याय*	72
निराला का समाज दर्शन	*–डा. दिनेश्वर कुमार महतो*	76
निर्मला पुतुल के काव्य में आदिवासी स्त्री जीवन	*–डॉ. राजेंद्र घोडे*	79
हिन्दी कथा साहित्य एवं आदिवासी चेतना (संदर्भ : राजस्थान)	*–डा. जयसिंह मीणा*	82
दलित साहित्य बनाम ललित साहित्य का द्वंद्व : 'गूंगा नहीं था मैं'	*–डॉ. कर्मानंद आर्य*	86
पारंपरिक चेतना के चितेरे : नागबोडस	*–प्रो. कुसुमलता मलिक*	95
विनोबा का आर्थिक चिन्तन : भूदान आन्दोलन	*–डा. सीमा रानी, –कमल सिंह,*	100
भारत में लैंगिक असमानता, वर्तमान परिदृश्य एवं भविष्य की सम्भावनाएं : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	*–सीता पाण्डेय* *–डा. मनोज गुप्ता*	105